परिशिष्ट - एक

परीक्षा योजना

1. राज्य सेवा परीक्षा के तीन क्रमिक चरण हैं -
   (1) मुख्य परीक्षा हेतु उम्मीदवारों के चयन के लिये राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा (वस्तुनिष्ठ प्रश्न ओ.एम.आर. शीट आधारित); और
   (2) सेवाओं तथा पदों के विभिन्न प्रवर्गों के लिये उम्मीदवारों के चयन हेतु राज्य सेवा मुख्य परीक्षा (लिखित वर्णनात्मक)
   (3) साक्षात्कार।

राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा

2. प्रारंभिक परीक्षा में वस्तुनिष्ठ प्रकार (बहुविकल्पीय प्रश्न) के दो प्रश्न पत्र होंगे । प्रत्येक प्रश्नपत्र की रचना निम्नलिखित योजनानुसार की जायेगी:-

प्रथम प्रश्न पत्र	सामान्य अध्ययन	2 घंटे	200 अंक
द्वितीय प्रश्न पत्र	सामान्य अभिरूचि परीक्षण	2 घंटे	200 अंक

3. यह परीक्षा केवल छानबीन परीक्षण के रूप में ली जाती है। इस परीक्षा में प्राप्त अंको के आधार पर अभ्यर्थियों को मुख्य परीक्षा हेतु योग्य/अर्ह घोषित किया जाता है। अंतिम चयनसूची केवल मुख्य परीक्षा तथा साक्षात्कार में प्राप्त अंको के आधार पर निर्मित की जायेगी।

4. (1) दोनों प्रश्नपत्र वस्तुनिष्ठ प्रकार (बहुविकल्पीय प्रश्न) के होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिये चार सम्भाव्य उत्तर होंगे जिन्हें अ, ब, स और द में समूहीकृत किया जायेगा, जिनमें से एक सही उत्तर होगा। उम्मीदवार से अपेक्षा की जाती है कि वह उत्तर पुस्तिका में उसके द्वारा निर्णीत सही माने गये अ, ब, स, या द में से केवल एक उत्तर पर चिन्ह लगाएं।

   (2) प्रत्येक प्रश्नपत्र में 2-2 अंक के 100 प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्नपत्र 200 अंको का होगा तथा प्रत्येक प्रश्नपत्र की समयावधि 2 घंटे होगी। Negative Marking नहीं होगी ।

   (3) प्रारंभिक परीक्षा हेतु सामान्य अध्ययन तथा सामान्य अभिरूचि परीक्षण के विस्तृत पाठ्यक्रम परिशिष्ट-दो में यथा विनिर्दिष्ट हैं।

   (4) प्रत्येक प्रश्न पत्र हिन्दी तथा अंग्रेजी में होगा।

   (5) प्रारम्भिक परीक्षा उपरांत परीक्षा में पूछे गए प्रश्नों और उसके प्रावधिक उत्तर कुंजी तैयार कर आयोग की वेबसाइट www.mppsc.nic.in तथा www.mppsc.com पर प्रकाशित कर ऑनलाइन पद्धति से 07 दिवस की अवधि में आपत्तियां प्राप्त की जायेंगी। अभ्यर्थी प्रति प्रश्न 100 रुपये शुल्क तथा रूपय 40 प्रति सत्र पोर्टल शुल्क का भुगतान कर आपत्तियां ऑनलाइन जमा कर सकेंगें। अन्य किसी भी विधि से प्रस्तुत आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा।

   प्राप्त आपत्तियों पर विषय विशेषज्ञ समिति द्वारा विचार किया जायेगा। समिति द्वारा आपत्तियों पर विचार कर निम्नलिखित अनुसार कार्यवाही की जायेगी :-

   1. ऐसे प्रश्न जिनका प्रावधिक उत्तर-कुंजी में दिये गये विकल्पों मे से गलत उत्तर दिया गया है और विकल्पों मे अन्य विकल्प सही है तब प्रावधिक उत्तर-कुंजी को संशोधित किया जायेगा।
   2. प्रश्न के हिन्दी तथा अँग्रेजी अनुवाद मे भिन्नता की स्थिति मे केवल हिन्दी अनुवाद ही मान्य होगा ।
   3. ऐसे प्रश्न जिसका दिये गये विकल्पों में एक से अधिक सही उत्तर हैं, सभी सही उत्तरों को मान्य किया जाऐगा।
   4. ऐसे प्रश्न जिसका दिये गये विकल्पों में एक भी सही उत्तर न हो को प्रश्नपत्र से विलोपित किया जायेगा।
   5. विषय विशेषज्ञ समिति द्वारा समस्त अभ्यावेदनों पर विचार करने के पश्चात अंतिम उत्तर कुंजी बनाई जाएगी तथा आयोग द्वारा वेबसाइट www.mppsc.nic.in, www.mppscdemo.in तथा www.mppsc.com पर प्रकाशित की जाएगी । अंतिम उत्तर-कुंजी के प्रकाशन के पश्चात कोई भी आपत्ति/ पत्र-व्यवहार मान्य नहीं किया जाऐगा। विषय विशेषज्ञ समिति का निर्णय अंतिम होगा।
   6. **उपरोक्तानुसार समिति द्वारा विलोपित किए गये प्रश्नों को छोड़कर शेष प्रश्नों के आधार पर अंतिम उत्तर कुंजी के अनुसार अभ्यर्थियों का मूल्यांकन कर प्रारम्भिक परीक्षा परिणाम घोषित किया जायेगा।**

   विषय विशेषज्ञ समिति द्वारा समस्त अभ्यावेदनों पर विचार करने के पश्चात अंतिम उत्तर कुंजी बनाई जाएगी तथा आयोग की वेबसाइट www.mppsc.nic.in तथा www.mppsc.com पर प्रकाशित की जाएगी । अंतिम उत्तर कुंजी के संदर्भ मे कोई आपत्ति / अभ्यावेदन स्वीकार नहीं किया जायेगा।

   उपरोक्तानुसार समिति द्वारा विलोपित किए गये प्रश्नों को छोड़कर शेष प्रश्नों के आधार पर अंतिम उत्तर कुंजी के आधार पर अभ्यर्थियों का मूल्यांकन कर प्रारम्भिक परीक्षा परिणाम घोषित किया जायेगा।

5. कुल रिक्तियों की संख्या से 15 गुना होगी तथा समान अंक प्राप्त (वर्गवार/श्रेणीवार) उम्मीदवारो को भी मुख्य परीक्षा हेतु अर्ह घोषित किया जायेगा। केवल वे ही उम्मीदवार, जिन्हें आयोग ने संबंधित विज्ञापन के अधीन प्रारंभिक परीक्षा में अर्ह घोषित किया हो, मुख्य परीक्षा में प्रवेश पाने के लिये पात्र होंगे। मुख्य परीक्षा की पात्रता हेतु उम्मीदवार को प्रारंभिक परीक्षा के प्रत्येक प्रश्न पत्र में न्यूनतम 40 प्रतिशत अंक प्राप्त करना आवश्यक होगा। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग एवं विकलांग श्रेणी के उम्मीदवार हेतु न्यूनतम अर्हकारी अंक 30 प्रतिशत होंगे।

विशेष :-

राज्य सेवा प्रारम्भिक परीक्षा का द्वितीय प्रश्न.पत्र केवल क्वालीफ़ाइंग स्वरूप का होगा। अर्थात द्वितीय प्रश्नपत्र में न्यूनतम उत्तीर्णांक अर्जित करने वाले अभ्यर्थियों द्वारा प्रथम प्रश्न.पत्र में प्राप्त अंकों के गुणानुक्रम के आधार पर प्रारम्भिक परीक्षा का परिणाम घोषित किया जाएगा। द्वितीय प्रश्न.पत्र में प्राप्त अंकों को प्रारम्भिक परीक्षा परिणाम हेतु गुणानुक्रम निर्धारण में शामिल नहीं किया जाएगा।

राज्य सेवा मुख्य परीक्षा

6. राज्य सेवा मुख्य परीक्षा में निम्नानुसार कुल 06 प्रश्नपत्र होंगे तथा सभी प्रश्न पत्र अनिवार्य है:-

स.क्र.	विषय	अवधि	पूर्णांक
प्रथम प्रश्नपत्र	सामान्य अध्ययन-I	03 घण्टे	300
द्वितीय प्रश्नपत्र	सामान्य अध्ययन-II	03 घण्टे	300
तृतीय प्रश्नपत्र	सामान्य अध्ययन-III	03 घण्टे	300
चतुर्थ प्रश्नपत्र	सामान्य अध्ययन-IV	03 घण्टे	200
पंचम प्रश्नपत्र	सामान्य हिन्दी	03 घण्टे	200
षष्ठम प्रश्नपत्र	हिन्दी निबंध लेखन	02 घण्टे	100
साक्षात्कार:-			175
कुल अंक			**1575**

सामान्य अध्ययन के चारो प्रश्न-पत्र हिन्दी तथा अंग्रेजी माध्यम मे उपलब्ध होंगे। अभ्यर्थी केवल उस भाषा में परीक्षा दे सकेगा जो उसने अपने मुख्य परीक्षा के आवेदन पत्र मे माध्यम के रूप में चयनित किया है।

परीक्षा के प्रश्न पत्रों में प्रश्नों की संख्या, प्रश्नों का प्रकार तथा उत्तर हेतु शब्द सीमा का मार्गदर्शी प्रारूप निम्नानुसार है:-

1. **सामान्य ज्ञान के प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय प्रश्नपत्र में दो खण्ड अ तथा ब रहेंगे। प्रत्येक खण्ड 150 अंकों का होगा। प्रत्येक खण्ड के लिये पृथक उत्तर पुस्तिका .प्रदान की जायेगी।**
   - अभ्यर्थी को संबंधित खण्ड "अ" के प्रश्नों के उत्तर उसी खण्ड "अ" हेतु निर्धारित उत्तर पुस्तिका में ही लिखना अनिवार्य है।
   - अभ्यर्थी को संबंधित खण्ड "ब" के प्रश्नों के उत्तर उसी खण्ड "ब" हेतु निर्धारित उत्तर पुस्तिका में ही लिखना अनिवार्य है।
   - अभ्यर्थी को पहले खण्ड "अ" हेतु निर्धारित उत्तर पुस्तिका प्रदान की जाएगी। खण्ड "ब" हेतु निर्धारित उत्तर पुस्तिका कम से कम 30:00 मिनट पश्चात ही प्रदान की जाएगी।
   - खण्ड "अ" तथा खण्ड "ब" के विषय अलग-अलग हैं, अत: संबंधित खण्ड की उत्तर पुस्तिका में उत्तर न लिखने पर उसका मूल्यांकन किया जाना संभव नहीं है। इसलिए संबंधित खण्ड में उत्तर न लिखने पर उत्तर को "विषय से बाहर" का माना जा कर मूल्यांकित नहीं किया जाएगा तथा संबंधित खण्ड में "0" शून्य अंक प्रदान किये जाएंगे। साथ ही संबंधित उत्तर पुस्तिका में उत्तर का न लिखना पहचान प्रदर्शित करने का प्रकरण मानकर तदनुसार कार्यवाही की जा सकेगी।
   - प्रत्येक खण्ड में 15 अति लघु उत्तर, 10 लघु उत्तर एवं 03 निबंधात्मक प्रश्न होंगे। प्रश्नो की संख्या को आवश्यकतानुसार कम या अधिक किया जा सकेगा।
2. चतुर्थ प्रश्न पत्र में एक ही खण्ड रहेगा तथा प्रश्न पत्र में 15 लघुस्तरीय तथा 15 लघुस्तरीय संक्षिप्त टिप्पणियां सम्मिलित रहेगी तथा एक या दो केस स्टडी से संबंधित लघुस्वरूप के प्रश्न पूछे जायेंगे। प्रश्नों की संख्या में परिवर्तन किया जा सकता है।
3. सामान्य अध्ययन के प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा चतुर्थ प्रश्न पत्र हिन्दी व अंग्रेजी माध्यम में प्रदान किये जायेगें। अभ्यर्थी द्वारा हिन्दी या अंग्रेजी माध्यम में से एक भाषा में उत्तर लिखने का विकल्प का चयन किया जा सकता है।

प्रथम प्रश्नपत्र

प्रथम प्रश्न पत्र में दो खण्ड होंगे। प्रत्येक खण्ड हेतु पृथक-पृथक उत्तर पुस्तिका प्रदान की जाऐंगी ।

खण्ड (अ)

प्रथम प्रश्न पत्र के पाठ्यक्रम के बिन्दु क्रमांक-1 से 1.7 तक इस खण्ड में सम्मिलित रहेंगे। प्रश्नपत्र की रचना का स्वरूप निम्नानुसार रहेगा:-

प्रश्न क्रमांक-01 इस प्रश्न में कुल- A से O तक कुल 15 अत्यन्त लघुस्वरूप के प्रश्न रहेंगे जिनका उत्तर एक या दो पंक्तियों में देना होगा। अनुमानित प्रत्येक प्रश्न के शब्द सीमा 15 होगी। आंतरिक विकल्प नहीं रहेगा। प्रत्येक प्रश्न 03 अंकों का होगा इस प्रकार यह प्रश्न कुल 15 x 3=45 अंकों का होगा।

प्रश्न क्रमांक-02 इस प्रश्न में कुल- A से J तक कुल 10 प्रश्न लघुस्वरूप के रहेंगे जिनका उत्तर 100 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 6 अंकों का होगा इस प्रकार यह प्रश्न कुल 10 x 6 = 60 अंकों का होगा। इसमें आंतरिक विकल्प दिया जा सकेगा।

प्रश्न क्रमांक-03 A, B एवं C कुल-03 प्रश्न दीर्घ उत्तरीय या निबंधात्मक होंगे जिनकी प्रत्येक शब्द सीमा लगभग 300 शब्द होगी तथा प्रत्येक प्रश्न 15 अंकों का होगा। इस प्रकार कुल 15 x 3= 45 अंकों का होगा। आंतरिक विकल्प दिया जा सकेगा। इस प्रकार यह खण्ड 150 अंकों का होगा।

खण्ड (ब)

प्रथम प्रश्न पत्र के पाठ्यक्रम के बिन्दु क्रमांक-2 से 4.3 तक इस खण्ड में सम्मिलित रहेंगे। प्रश्नपत्र की रचना का स्वरूप निम्नानुसार रहेगा:-

प्रश्न क्रमांक-01 इस प्रश्न में कुल-A से O तक कुल 15 अत्यन्त लघुस्वरूप के प्रश्न रहेंगे जिनका उत्तर एक या दो पंक्तियों में देना होगा। आंतरिक विकल्प नहीं रहेगा। प्रत्येक प्रश्न 03 अंकों का होगा इस प्रकार यह प्रश्न कुल 15X3=45 अंकों का

होगा।

प्रश्न क्रमांक-02 इस प्रश्न में कुल- A से J तक कुल 10 प्रश्न लघुस्वरूप के रहेंगे जिनका उत्तर 100 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 6 अंकों का होगा इस प्रकार यह प्रश्न कुल 10x6 = 60 अंकों का होगा। इसमें आंतरिक विकल्प दिया जा सकेगा।

प्रश्न क्रमांक-03 A, B एवं C कुल-03 प्रश्न दीर्घ उत्तरीय या निबंधात्मक होंगे जिनकी प्रत्येक शब्द सीमा लगभग 300 शब्द होगी तथा प्रत्येक प्रश्न 15 अंकों का होगा। इस प्रकार कुल 15X3=45 अंकों का होगा। आंतरिक विकल्प दिया जा सकेगा।
इस प्रकार यह खण्ड 150 अंकों का होगा।

द्वितीय प्रश्न पत्र

द्वितीय प्रश्न पत्र मे दो खण्ड होगें। प्रत्येक खण्ड के लिए पृथक उत्तर पुस्तिका प्रदान की जायेगी।

खण्ड (अ) -

द्वितीय प्रश्न पत्र के पाठ्यक्रम में 1 से 3.12 तक का भाग इसमें सम्मिलित रहेगा। प्रश्नपत्र की रचना का स्वरूप निम्नानुसार रहेगा:-

प्रश्न क्रमांक-01 इस प्रश्न में कुल-A से O तक तक कुल 15 अत्यन्त लघुस्वरूप के प्रश्न रहेंगे जिनका उत्तर एक या दो पंक्तियों में देना होगा। आंतरिक विकल्प नहीं रहेगा। प्रत्येक प्रश्न 03 अंकों का होगा इस प्रकार यह प्रश्न कुल 15 x 3=45 अंकों का होगा।

प्रश्न क्रमांक-02 इस प्रश्न में कुल-A से J तक कुल 10 प्रश्न लघुस्वरूप के प्रश्न रहेंगे प्रत्येक उत्तर लगभग 100 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 06 अंकों का होगा इस प्रकार यह प्रश्न कुल 10 x 6=60 अंकों का होगा। इसमें आंतरिक विकल्प दिया जा सकेगा।

प्रश्न क्रमांक-03 A, B एवं C कुल-03 प्रश्न दीर्घ उत्तरीय या निबंधात्मक होंगे जिनकी प्रत्येक शब्द सीमा लगभग 300 शब्द होगी तथा प्रत्येक प्रश्न 15 अंकों का होगा। इस प्रकार कुल 15 x 3=45 अंकों का होगा। आंतरिक विकल्प दिया जा सकेगा।
इस प्रकार यह खण्ड 150 अंकों का होगा।

खण्ड (ब)

द्वितीय प्रश्न पत्र के पाठ्यक्रम के बिन्दु क्रमांक-4 से 10.4 तक इस खण्ड में सम्मिलित रहेंगे। प्रश्नपत्र की रचना का स्वरूप निम्नानुसार रहेगा:-

प्रश्न क्रमांक-01 इस प्रश्न में कुल-A से O तक तक कुल 15 अत्यन्त लघुस्वरूप के प्रश्न रहेंगे जिनका उत्तर एक या दो पंक्तियों में देना होगा। आंतरिक विकल्प नहीं रहेगा। प्रत्येक प्रश्न 03 अंकों का होगा इस प्रकार यह प्रश्न कुल 15 X 3=45 अंकों का होगा।

प्रश्न क्रमांक-02 इस प्रश्न में कुल-A से J तक कुल 10 प्रश्न लघुस्वरूप के प्रश्न रहेंगे प्रत्येक उत्तर लगभग 100 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 06 अंकों का होगा इस प्रकार यह प्रश्न कुल 10 X 6=60 अंकों का होगा। इसमें आंतरिक विकल्प दिया जा सकेगा।

प्रश्न क्रमांक-03 A, B एवं C कुल-03 प्रश्न दीर्घ उत्तरीय या निबंधात्मक होंगे जिनकी प्रत्येक शब्द सीमा लगभग 300 शब्द होगी तथा प्रत्येक प्रश्न 15 अंकों का होगा। इस प्रकार कुल 15X3=45 अंकों का होगा। आंतरिक विकल्प दिया जा सकेगा।
इस प्रकार यह खण्ड 150 अंकों का होगा।

तृतीय प्रश्न पत्र

तृतीय प्रश्न पत्र मे दो खण्ड होगें। प्रत्येक खण्ड के लिए पृथक उत्तर पुस्तिका प्रदान की जायेगी।

खण्ड (अ)

तृतीय प्रश्न पत्र के पाठ्यक्रम के बिन्दु क्रमांक-1 से 6.6 तक इस खण्ड में सम्मिलित रहेंगे। प्रश्न पत्र की रचना का स्वरूप निम्नानुसार रहेगा:-

प्रश्न क्रमांक-01 इस प्रश्न में कुल-A से O तक तक कुल 15 अत्यन्त लघुस्वरूप के प्रश्न रहेंगे जिनका उत्तर एक या दो पंक्तियों में देना होगा। आंतरिक विकल्प नहीं रहेगा। प्रत्येक प्रश्न 03 अंकों का होगा इस प्रकार यह प्रश्न कुल 15 x 3=45 अंकों का होगा।

प्रश्न क्रमांक-02 इस प्रश्न में कुल-A से J तक कुल 10 प्रश्न लघुस्वरूप के प्रश्न रहेंगे प्रत्येक उत्तर लगभग 100 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 06 अंकों का होगा इस प्रकार यह प्रश्न कुल 10 x 6=60 अंकों का होगा। इसमें आंतरिक विकल्प दिया जा सकेगा।

प्रश्न क्रमांक-03 A, B एवं C कुल-03 प्रश्न दीर्घ उत्तरीय या निबंधात्मक होंगे जिनकी प्रत्येक शब्द सीमा लगभग 300 शब्द होगी तथा प्रत्येक प्रश्न 15 अंकों का होगा। इस प्रकार कुल 15 x 3=45 अंकों का होगा। आंतरिक विकल्प दिया जा सकेगा।
इस प्रकार यह खण्ड 150 अंकों का होगा।

खण्ड (ब)

तृतीय प्रश्न पत्र के पाठ्यक्रम के बिन्दु क्रमांक 7 से 7.17 तक इस खण्ड में सम्मिलित रहेंगे। प्रश्नपत्र की रचना का स्वरूप निम्नानुसार रहेगा:-

प्रश्न क्रमांक-01 इस प्रश्न में कुल-A से O तक तक कुल 15 अत्यन्त लघुस्वरूप के प्रश्न रहेंगे जिनका उत्तर एक या दो पंक्तियों में देना होगा। आंतरिक विकल्प नहीं रहेगा। प्रत्येक प्रश्न 03 अंकों का होगा इस प्रकार यह प्रश्न कुल 15 x 3=45 अंकों

का होगा।

प्रश्न क्रमांक-02 इस प्रश्न में कुल-A से J तक कुल 10 प्रश्न लघुस्वरूप के प्रश्न रहेंगे प्रत्येक उत्तर लगभग 100 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 06 अंकों का होगा इस प्रकार यह प्रश्न कुल 10 x 6=60 अंकों का होगा। इसमें आंतरिक विकल्प दिया जा सकेगा।

प्रश्न क्रमांक-03 A, B एवं C कुल-03 प्रश्न दीर्घ उत्तरीय या निबंधात्मक होंगे जिनकी प्रत्येक शब्द सीमा लगभग 300 शब्द होगी तथा प्रत्येक प्रश्न 15 अंकों का होगा। इस प्रकार कुल 15 x 3=45 अंकों का होगा। आंतरिक विकल्प दिया जा सकेगा।
इस प्रकार यह खण्ड 150 अंकों का होगा।

चतुर्थ प्रश्न पत्र

इस प्रश्न पत्र में पहला प्रश्न अति लघुस्तरीय होगा। जिनके उत्तर या एक या दो पंक्तियों में देना होंगे। आंतरिक विकल्प नहीं दिया जायेगा। यह प्रश्न कुल 15 x 3=45 अंकों का होगा।

प्रश्न क्रमांक-02 से 16 तक कुल-15 प्रश्न लघुस्तरीय टिप्पणी के होंगे जिनकी शब्द सीमा लगभग-150 शब्द होगी। प्रत्येक प्रश्न 06 अंकों का होगा। इस प्रकार कुल 15 x 6=90 अंकों का होगा।

प्रश्न क्रमांक-17 तथा 18 में पाठ्यक्रम से संबंधित 01 या 02 केस स्टडी दी जायेगी कुल केस स्टडी के आधार पर कुल 65 अंकों के लघुस्वरूप के प्रश्न पूछे जायेंगे। दो केस स्टडी सम्मिलित किये जाने पर प्रथम केस स्टडी से 30 अंक के द्वितीय केस स्टडी से 35 अंक के प्रश्न पूछे जायेंगे।

पंचम प्रश्न पत्र

पांचवा प्रश्न पत्र- यह प्रश्न पत्र सामान्य हिन्दी का होगा, पहला प्रश्न लघु स्तरीय होगा जिसमें कुल-20 प्रश्न होंगे जिनका उत्तर 01 या 02 पंक्तियों में देना होगा तथा आंतरिक विकल्प नहीं रहेगा। प्रत्येक प्रश्न 03 अंकों का होगा इस प्रकार पहला प्रश्न 20 x 3=60 अंकों को होगा। प्रश्न क्रमांक-02 गद्यांश के हिन्दी से अंग्रेजी अनुवाद का होगा। यह प्रश्न 20 अंकों का होगा। प्रश्न क्रमांक-03 से 10 तक कुल 08 प्रश्न होंगे । प्रत्येक प्रश्न 15 अंकों का होगा। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिया जायेगा।
इस प्रकार यह प्रश्न 200 अंकों को होगा।

षष्ठम प्रश्न पत्र

छटवां प्रश्नपत्र- यह प्रश्न पत्र **हिन्दी निबंध लेखन** का होगा प्रश्न पत्र 03 खण्डों में विभाजित रहेगा। प्रत्येक खण्ड में आंतरिक विकल्प रहेगा। प्रथम खण्ड में लगभग 1000 शब्दों में हिन्दी में निबंध लिखना होगा। द्वितीय खण्ड में लगभग 250 शब्दों में हिन्दी में निबंध लिखना होगा तथा तृतीय खण्ड में भी लगभग 250 शब्दों में हिन्दी में निबंध लिखना होगा ।

टीप- अभ्यर्थी को प्रत्येक प्रश्नपत्र में 40 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य है अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछडा वर्ग तथा दिव्यांगजन श्रेणी के अभ्यर्थियों के लिए न्यूनतम अर्हकारी अंक 30 प्रतिशत होंगे।